अवध की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष–10 अंक–280 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ शनिवार 8 जनवरी 2022 पृष्ठ – 4 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

कुल 45040 व्यक्तियों का टीकाकरण

हरदोई। एकीकृत कोविड कमाण्ड कन्ट्रोल सेन्टर प्रभारी/मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा राना ने बताया है कि 07 जनवरी 2022 को प्रातः 08.00 बजे से सायं 05.00 बजे तक 4167 लोगो की सैम्पलिंग की गयी। जनपद में कुल 17 पॉजीटिव मामले

पाये गये। आज 05 व्यक्ति को होम आईसोलेट किया गया। होम आईसोलेशन में रखे गये लोगों की कुल संख्या 24 है। जनपद में सक्रिय कुल कोविड मामलो की संख्या 41 है। कुल 30368 लोगों की स्क्रीनिंग की गयी। आज जनपद मे निगरानी समितियों द्वारा 1352 गॉवोध्वार्डो का भ्रमण किया गया। समस्त नगरीय निकायो की 116 टीमों द्वारा 185 वाडों में सेनेटाइजेशन का कार्य कराया गया। जनपद में कुल 45040 व्यक्तियों का टीकाकरण किया गया। जिसमे से 15 से 18 आयु वर्ग के 10823 तथा 18 से 44 वर्ष आयु वर्ग के कुल 19881 व्यक्तियों का टीकाकरण किया गया तथा 45 वर्ष या इससे अधिक आयु वर्ग में 14336 व्यक्तियों का टीकाकरण किया गया।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिये

सीतापुर (सू0वि0)। जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्र वार को अर्हता तिथि 01.01.2022 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के सम्बन्ध में प्राप्त शिकायतें, क्रिटिकल मतदेय स्थलों के सम्बन्ध में तथा कोविड–19 के दृष्टिगत रैली करने सम्बन्धी मैदानों हेतु चर्चा आदि के सम्बन्ध में समस्त राज नैतिक दलों के प्रति निधियों एवं रिटर्निंग अधिकारियों के साथ बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि सभी प्रकार की रैलियों में कोविड प्रोटोकाल का अनुपालन सुनिश्चित किया जाये।उन्होंने कहा कि चयनित आयोजन स्थलों की क्षमता से आधे व्यक्तियों की ही अनुमति (50 प्रतिशत) प्रदान की जायेगी। नए रैली मैदान के लिये जिलाधिकारी ने सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से सुझाव भी लिये। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि पूरी निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान कोविड प्रोटोकाल का शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाये। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि स्वस्थ्य मतदाता सूची बनाने में सभी अपना सहयोग दें तथा जिससे सभी को मतदाधिकार का प्रयोग करने का अवसर मिल सके। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी राम भरत तिवारी, अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी एन0 पी0 सिंह, नगर मजिस्ट्रेट पूजा मिश्रा, सभी उपजिलाधिकारी, मान्यता प्राप्त राज नैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

छात्र-छात्राओं को तोहफा: सीएम योगी ने गोरखपुर में विद्यार्थियों को बांटे स्मार्टफोन और टैबलेट, बोले- इसका खर्चा भी उठाएगी सरकार

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रदेश में एक करोड़ विद्यार्थियों को मुफ्त दिए जा रहे टैबलेट व स्मार्ट फोन में डिजिटल एक्सेस और विश्व स्तरीय शानदार कंटेंट की सुविधा भी मुफ्त उपलब्ध कराई जा रही है। इसके साथ ही इन टैबलेट व स्मार्ट फोन में केंद्र व प्रदेश सरकार की रोजगारपरक योजनाओं की संपूर्ण जानकारी एक क्लिक पर उपलब्ध होगी। सरकार युवाओं की पढ़ाई, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए ऐसे इंतजाम सुनिश्चित कर रही है जिससे उन्हें बाहर जाने की नौबत न आए। देश में आबादी के लिहाज से सबसे बड़े राज्य के युवा अब स्मार्ट बनेंगे। सीएम योगी शुक्रवार को भरोहिया विकास खंड में ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा का अनावरण करने, विद्यार्थियों को मुफ्त टैबलेट–स्मार्ट फोन वितरित करने तथा जनपद को 68 करोड़ रुपये की लागत वाली 20 विकास परियोजनाओं की सौगात देने के अवसर पर जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 50.48 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण 15 परियोजनाओं का लोकार्पण व 17.31 करोड़ रुपये की लागत वाली पांच परियोजनाओं का शिलान्यास किया। सीएम के हाथ मिली सौगातों में प्रदेश के पहले स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट का शिलान्यास भी शामिल है। लोकार्पण व शिलान्यास समारोह के दौरान 1000 विद्यार्थियों में टैबलेट–स्मार्ट फोन का वितरण भी हुआ जिनमें से 22 विद्यार्थियों को मंच पर मुख्यमंत्री के हाथों टैबलेट– स्मार्ट फोन प्राप्त हुआ।गुरु गोरखनाथ विद्यापीठ भरोहिया में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार ने तय किया है कि स्नातक–परास्नातक, आईटी आई, पॉलिटेक्निक, स्किल डेवलपमेंट का कोर्स करने वालों या प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को मुफ्त में स्मार्ट फोन व टैबलेट दिए जाएंगे। एक करोड़ युवाओं के लिए इस कार्य का शुभारंभ कर दिया गया है। 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर लखनऊ में 60 हजार युवाओं को टैबलेट व स्मार्ट फोन वितरित किए गए। वाराणसी, गोरखपुर, अलीगढ़, सहारनपुर आदि जिलों में टैबलेट–स्मार्ट फोन वितरण में सीएम योगी स्वयं मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि सरकार कॉलेजवार टैबलेट व स्मार्टफोन उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि टैबलेट व स्मार्ट फोन में सरकार दो अतिरिक्त सुविधाओं को भी मुफ्त देगी। पहला डिजिटल एक्सेस। बहुत से ऐसे विद्यार्थी होंगे जिनके माता पिता गरीबी के चलते इसके डिजिटल एक्सेस का व्ययभार वहन नहीं कर सकते, ऐसे में उन्हें अब कोई परेशानी नहीं होगी। दूसरा दुनिया की बेहतरीन कम्पनियों को जोड़कर इस पर बेहतरीन कंटेंट व पाठ्यक्रम उपलब्ध कराया जा रहा है। सीएम योगी ने कहा कि टैबलेट व स्मार्टफोन के जरिये युवा पढ़ाई के दौरान ही अपने करियर का रास्ता चुन सकेंगे। इसके लिए प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टार्टअप योजना, स्टैंडअप योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, ओ डी ओ पी, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना को भी टेबलेट व स्मार्ट फोन से जोड़ा जा रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की तरफ से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए 10 हजार युवाओं को मुफ्त टैबलेट–स्मार्ट फोन देकर उन्हें निशुल्क कोचिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि पूर्व में कोरोनाकाल के दौरान कोटा (राजस्थान) में फंसे प्रदेश के 15 हजार युवाओं को वहां के कांग्रेस सरकार के असहयोग के बावजूद पांच सौ बसों को भेजकर सुरक्षित वापस उनके घर पहुंचाया गया। प्रदेश में ही निशुल्क अभ्युदय कोचिंग की व्यवस्था हो जाने से अब यहां के युवाओं को बाहर जाने की नौबत नहीं आएगी। अभ्युदय कोचिंग ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों मोड में उपलब्ध कराई जा रही है। बेहतर पाठ्यक्रम के साथ ही आईएस, आईपीएस, पीसीएस, पीपीएस अधिकारियों, डॉक्टर–प्रोफेसर आदि को इससे जोड़ा जा रहा है। अवध की आवाज

दागदार आरोपित अवर अभियंताओं को दी गयी प्रवर्तन में तैनाती

दागी व भ्रष्ट सुपरवाइजरों की फिर तैनाती की जुगत में लगे अधिष्ठान के बाबू

अवध की आवाज

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के सतत प्रयासों के बाद भी कि अवैध निर्माणों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। परन्तु प्रवर्तन में कुछ भ्रष्ट शीर्ष अधिकारियों की अवैध निर्माणों को संरक्षण देने वाली भ्रष्ट नीतियों के कारण राजधानी में अवैध निर्माणों की भरमार होती जा रही है। प्रवर्तन में दागी अवर अभियंताओंको जिनको आरोपित करके उद्यान या अभियंत्रण में भेजा गया था। उनको सभी मानकों को ताख पर रखकर पुनः वापस लेकर फिर से प्रवर्तन के मलाई दार क्षेत्रों में भ्रष्ट नीतिओं के चलते तैनात किया गया है। गौर तलब यह है कि सूत्रानुसार दाग दार अवर अभियंताओं को बार बार प्रवर्तन में तैनाती का श्रेय प्राधिकरण के भ्रष्ट अधिकारीयों को है जिनके संरक्षण में राजधानी में अवैध निर्माण कराये जा रहे है । सूत्रानुसार प्राधिकरण में तैनात कुछ भ्रष्ट अधिकारीयों की भ्रष्ट नीतियों की वजह से लखनऊ विकास प्राधिकरण में फिर से अधिष्ठान के कुछ बाबुओं की मेहरबानी से पूर्व दागी व भ्रष्ट सुपरवाइजरों की परिवर्तन में गुप् चुप ढंग से तैनाती की योजना बनाई जा रही है। आज से पूर्व 5 माह पहले दागी व भ्रष्ट सुपरवाइजर की परिवर्तन में शिकायतों के आधार पर पूर्व उपाध्यक्ष ने अवैध निर्माणों के चलते परिवर्तन के दागी सुपर वाइजर को चिन्हित करके सब को दूसरे डिवीजन में तैनात कर दिया था। लेकिन अधिष्ठान के कुछ बाबुओं व अधिकारी मिलकर उन्हीं सुपर वाइजर को प्रवर्तन में लाने की कवायत में जोर शोर से लगे हैं। इन्हीं भ्रष्ट सुपर वाइजरों के नाम से जाने कितनी आइ जी आर एस के माध्यम से शिकायतें डिवीजन में दर्ज है, फिर भी कुछ अधिकारी मेहनती सुपर वाइजर को न लाकर इन्हीं भ्रष्ट सुपरवाइजर को लाने जुगत में लगे हैं। कुल मिलाकर दाग दार भ्रष्ट अवर अभियंताओं को उनके मुँह मांगे क्षेत्र देने के बाद अब दाग दार सुपर वाइजरों को पुनः प्रवर्तन में तैनाती की कवायत शूरू हो गयी है। देखना अब यह है कि भ्रष्ट अधिकारी अपनी योजना में कामयाब हो पते है या नहीं और इस प्रकरण पर उपाध्यक्ष लखनऊ विकास प्राधिकरण किस तरह इसको अपने संगान में लेकर कार्यवाही करेंगे ?

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न योजनाओं का किया लोकार्पण

अवध की आवाज बृजेश पाण्डेय

सिद्धार्थनगर। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ द्वारा वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से पर्यटन विभाग की शिलान्यास की जाने वाली परियोजनाओं में जनपद सिद्धार्थनगर के विकासखंड बर्डपुर के ग्राम भुजौली स्थित वैदिक आश्रम का पर्यटन विभाग उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण एवं श्रम विकास सहकारी संघ लिमिटेड द्वारा 134.64 लाख, तहसील नौगढ़ ग्राम नौगढ़ में स्थित क्षेत्रीय पर्यटन कार्यालय के जीर्णोद्धार का कार्य 44.78 लाख, कपिलवस्तु में सृजित की जा रही पर्यटन परिसंपत्तियों के उचित रखरखाव हेतु बाउंड्री वाल के निर्माण कार्य हेतु उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा 274.44 लाख की परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया तथा पर्यटन संवर्धन योजना के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र शोहरतगढ़ में समय माता मंदिर कठेला का पर्यटन विकास, विधानसभा क्षेत्र कपिलवस्तु के विकासखंड उदयपुर जोगिया में योगमाया मंदिर का पर्यटन विकास, विधानसभा क्षेत्र इटवा के कटेश्वर नाथ शिव मंदिर इटवा का पर्यटन विकास, विधानसभा क्षेत्र डुमरियागंज के गाला देवी मंदिर के पर्यटन विकास का लोकार्पण किया गया। कलेक्ट्रेट सभागार में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से पर्यटन विभाग की शिलान्यास/लोकार्पण की जाने वाली परियोजनाओं के अवसर पर जिलाधिकारी श्री दीपक मीणा, मुख्य विकास अधिकारी श्री पुलकित गर्ग एवं पर्यटन सूचना अधिकारी डॉ एम मकबूल अंसारी, सहायक अभियंता यू पी आर एन एन डी0 वी0 सिंह व अन्य की उपस्थिति रही।

नवविवाहिता का संदिग्ध परिस्थितियों में लटके मिले शव के मामले में पति सहित सांस गिरफ्तार

अवध की आवाज

निगोहा , लखनऊ । थाना क्षेत्र के दखिना शेखपुर गांव में बीते मंगलवार की शाम संदिग्ध परिस्थितियों में एक नव विवाहिता का शव घर के कमरे में साड़ी के फंदे से लटकता हुआ मिला था । सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेजा था । मृतका के मायके पक्ष से मिली तहरीर पर मामला दर्ज कर पुलिस जांच पड़ताल में जुटी थी , वहीं शुक्रवार को बेटे सहित सांस को दहेज हत्या के मामले में शुक्रवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है । निगोहां के रहने वाले मजदूर राम रतन ने अपनी बेटी करिश्मा का विवाह 6 दिसंबर 2020 को दखिना शेखपुर गांव निवासी मोहित के साथ किया था । बताया कि बीते मंगलवार की शाम बेटी करिश्मा (20) का शव ससुराल दखिना शेखपुर में घर के कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में साड़ी के फंदे से लटका मिला था। शादी के बाद से ही बेटी के पति मोहित और सांस गीता देवी बेटी से रूपए व अतिरिक्त दहेज की मांग कर प्रताड़ित करते थे । जिससे परेशान बेटी ने मंगलवार की शाम फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया । निगोहां थाना प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मृतका के मायके पक्ष से मिली तहरीर के मुताबिक दहेज हत्या सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था । शुक्रवार को मृतका के पति एवं सास को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है ।

उन्नाव। स्वतंत्रता आंदोलन के अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद जी के 116 वे पावन जन्मदिवस पर उनके ग्राम बदरका उन्नाव में आयोजित शहीद आजाद के त्रिय दिवसीय आजाद जयंती समारोह में पत्रकार सुरक्षा महासमिति के प्रदेश उपाध्यक्ष गुड्डू मिश्रा सहित अवध की आवाज उन्नाव टीम द्वारा आजाद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया अवध की आवाज हिंदी दैनिक समाचार पत्र से संवाददाता मनोज गुप्ता योगेश द्विवेदी साजन राजपूत अमन वर्मा ढपाली सिंह आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय

मेरा गांव-मेरी धरोहर: पुरातात्विक ही नहीं विकास का बन सकता है रोडमैप

मेरा गांव–मेरी धरोहर अभियान को सरकार की अच्छी पहल के रूप में देखा जाना चाहिए। यह कार्यक्रम इस मायने में महत्वपूर्ण है कि इसके माध्यम से गांवों का तथ्यात्मक इतिहास लेखन हो सकेगा।

इसकी जिम्मेदारी देशभर में फैले कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) को सौंपा जा रहा है। इसके लिए आरंभिक औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं और सरकार व सीएससी के बीच करार पर हस्ताक्षर हो चुके हैं।

सीएससी की पहुंच को इस तरह से देखा जा सकता है कि देश भर में इसके चार लाख के करीब सेंटर कार्यरत हैं। देखा जाए तो यह अभियान डिजिटली रूप से केवल तथ्यात्मक इतिहास लेखन तक सीमित नहीं रहेगा अपितु गांव, कस्बे की सारी जानकारी वहीं के लोगों की जुबानी और वहीं के लोगों के दस्तावेजों, तस्वीरों, किवदंतियों के आधार पर होगा। माना यह जा रहा है कि इससे ग्रामीण धरोहर की जानकारी जन–जन तक पहुंचेगी और लोगों को किसी गांव के बारे में ऐतिहासिक–पुरातात्विक जानकारी मिलेगी। इसके साथ ही यदि वहां के रहन–सहन, जीवन–यापन, खेत–खलिहान, फसल चक्र, जलवायु आदि की जानकारी का भी समावेश किया जाता है तो यह सरकार के लिए बड़ी उपलब्धि और अहम दस्तावेज होगा।

इसके लिए चूंकि कॉमन सर्विस सेंटर को ही एप बनाने की जिम्मेदारी दी गई है तो इस तरह का एप विकसित किया जाए जो बहुआयामी और बहु उपयोगी होगा। सरकार द्वारा एप विकसित करने की जिम्मेदारी भी सीएससी को देना इस मायने में और अधिक महत्वूपर्ण हो जाता है कि पहली तो यह कि सीएससी का नेटवर्क समूचे देश में निचले स्तर तक फैला हुआ है। दूसरा इससे स्थानीय भागीदारी बढ़ेगी। आरंभिक सूचनाओं के अनुसार सर्वे के आधार पर सूचनाओं का संकलन होगा पर यदि इसे वन टू वन संवाद के रूप में किया जाए तो अधिक सार्थक हो सकेगा।

मेरा गांव–मेरी धरोहर एक तरह से एतिहासिक, सांस्कृतिक, पुरातात्विक, सामाजिक, आर्थिक दस्तावेज बन सकेगा। इसके पीछे सरकार की मंशा भी यही दिख रही है। कहा जा रहा है कि एप तैयार होने के बाद इसकी पूर्ति गांव के लोगों से सर्वे के माध्यम से अनवरत संवाद कायम करते हुए गांव–कस्बे की जानकारी का समावेश किया जाएगा। गांव के सभी वर्ग यानी युवाओं, बड़े–बूढ़े, काश्तकार–दस्तकार, सभी तरह के कारोबार करने वालों, एतिहासिक जानकारी रखने वालों से सीधी बात कर एतिहासिक जानकारी, गांव के संबंध में तथ्यात्मक जानकारी गांव के लोगों से ही प्राप्त हो सकेगी, जिसे एप में समावेशित किया जएगा। गांव के लोगों से ही उनके पास उपलब्ध एतिहासिक–पुरातात्विक फोटो, दस्तावेजों को अपलोड किया जाएगा। गांव के नामकरण से लेकर उसकी विकास यात्रा का भी समावेश हो सकेगा। इससे यह बात तो यह साफ हो जानी चाहिए कि यदि इस दस्तावेशीकरण में ग्रामीणों से वास्तविक संवाद कायम किया जाता है जोकि सीएससी सेंटर संचालक द्वारा किया जाना है और चूंकि संचालक वहीं आसपास का ही होगा तो एक बहु उपयोगी दस्तावेज तैयार हो सकेगा। यह इसलिए भी मायने रखता है कि बढ़ते शहरीकरण के कारण शहरों में समाते गांवों के बारे में भी जानकारी मिल सकेगी।

यह तो अभी पूरी तरह से साफ नहीं हो सका है कि मेरा गांव मेरी धरोहर के पीछे सरकार का कहां और किस स्तर तक दस्तावेशीकरण का इरादा है। पर देखा जाए तो इसमें कोई दो राय नहीं कि यदि यह ऐप गांव की समग्र जानकारी को समावेश करने वाला बनता है और इस पर गंभीरता से काम होता है तो सरकार के पास भी एक ऐसा दस्तावेज तैयार हो जाता है जो भविष्य की नीति बनाने और उसके क्रियान्वयन में सार्थक और सकारात्मक भूमिका निभा सकता है। क्योंकि इस एप के माध्यम से गांव में पुरातात्विक महत्व की जानकारी के साथ ही गांव में उपलब्ध संसाधनों यथा शिक्षा की व्यवस्था, सिंचाई साधन, फसल चक्र, जलवायु, ग्रामीण उद्योग–धंधों, क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं यथा स्कूल, पानी बिजली की उपलब्धता, आवागमन के साधन, सड़क, अस्पताल, आंगणवाड़ी, आदि की उपलब्धाता की जानकारी भी होगी। इससे गांव की विकास की योजना बनाना आसान होगा।

सही मायने में राष्ट्रीय स्तर पर गांवों की आवश्यकताओं का वास्तविक दस्तावेज भी तैयार हो सकेगा। इससे देश में कहां किस तरह की आवश्यकता है इसका आकलन भी हो सकेगा। खासतौर से ग्रामीण विकास की नीति बनाने वालों के लिए यह बेहद उपयोगी दस्तावेज बन सकेगा। देश भर में गांवों में कितने और किस कक्षा तक के स्कूलों की आवश्यकता है, कहां प्राथमिक तो कहां सेटेलाइट अस्पताल होना चाहिए। कहां मण्डी होनी चाहिए तो कहां किसानों के लिए अन्य साधन। इन सबका सहजता से विश्लेषण हो सकेगा। इसके साथ ही गांव के एतिहासिकता, पुरातात्विक स्थानों का संरक्षण की योजना बन सकेगी।

इस मायने में देखा जाए तो यह एक अच्छी शुरुआत मानी जा सकती है बशर्तें इस पर गंभीरता से काम किया जाता है और इसकी नियमित निगरानी की जाती है। इसका समय–समय पर विश्लेषण भी जरूरी होगा तो अपडेशन भी किया जाना जरूरी होगा। सही मायने में मेरा गांव मेरी धरोहर ऐसा दस्तावेज बन सकेगा जो ऐतिहासिक जानकारी तक ही सीमित ना रह कर समग्र विकास का रोडमैप बन सकेगा। अब यह तो भविष्य के गर्भ में है कि इस पर कार्य किस गति और गंभीरता से होता है।

पंजाब में यह माजरा क्या है

–कुलदीप चंद अग्निहोत्री–

फिरोजपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पांच जनवरी को भारतीय जनता पार्टी की एक रैली को संबोधित करना था। लेकिन जब वे वहां जा रहे थे तो उससे कुछ किलोमीटर पहले एक फ्लाईओवर पर कुछ लोगों ने धरना लगा दिया और साथ ही वहां लंगर लगा दिया। वहां पुलिस भी उपस्थित थी और यह इलाका पाकिस्तान से कुछ किलोमीटर की दूरी पर ही स्थित है। प्रधानमंत्री का काफिला वहां कुछ देर के लिए फंसा रहा। सूत्रों के अनुसार सुरक्षा में लगे अधिकारियों ने मुख्यमंत्री कार्यालय से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन वहां से कोई उत्तर नहीं मिला। उधर पंजाब पुलिस के जवान फ्लाईओवर पर प्रदर्शनकारियों के साथ चाय पीने में व्यस्त दिखाई दिए। इस स्थिति में और ज्यादा भीड़ बढ़ने की संभावना होने लगी तो प्रधानमंत्री ने वापस लौट जाने का निर्णय किया और जाते–जाते पंजाब के मुख्यमंत्री का धन्यवाद भी किया कि वे सुरक्षित बठिंडा एयरपोर्ट पर पहुंच गए हैं। लेकिन पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने बाद में पत्रकारों को बताया कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा लिए वे और उनका पूरा मंत्रिमंडल अपना खून बहाने के लिए तैयार था। शायद पाकिस्तान की सरहद के बिल्कुल समीप उनकी पुलिस फ्लाईओवर पर इसी की तैयारी में व्यस्त दिखाई दे रही थी। बताया गया है कि प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान सदा ही वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की जाती है, चाहे उसके प्रयोग की जरूरत पड़े या न पड़े।

जाहिर है पंजाब सरकार ने भी बठिंडा से लेकर फिरोजपुर तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्ग पर तैयारी की ही होगी। यह तो मौसम खढराब था, यदि न भी हों तब भी प्रोटोकॉल के हिसाब से वैकल्पिक मार्ग तैयार रखना होता है। इसलिए जब बठिंडा से फिरोजपुर, वायुमार्ग से न जाकर सड़क मार्ग से जाने का निर्णय हुआ और पंजाब पुलिस को इसकी सूचना दी गई तो पुलिस ने प्रधानमंत्री के काफिले को सड़क मार्ग क्लीयर होने और सुरक्षित होने की सूचना दे दी। उसके बाद ही प्रधानमंत्री का काफिला बठिंडा से चला। तब प्रश्न उठता है कि प्रदर्शनकारियों को प्रधानमंत्री के इस रूट की जानकारी किसने लीक की? उनको फ्लाईओवर तक ही नहीं बल्कि उसके ऊपर तक किसने जाने दिया? लंगर की सामग्री किसने वहां तक ले जाने दी? सबसे बड़ी बात यह कि रास्ता सड़क पर नहीं बल्कि फ्लाईओवर पर रोका गया ताकि यदि वहां एक बार काफिला फंस जाए तो वापिस भी न जाने पाए। यह एक प्रकार से बहुत ही सोच समझ कर, प्रधानमंत्री के काफिले को घेरने की साजिढश लगती है। परिस्थितिजन्य साक्ष्यों को देखकर इतना तो कहा ही जा सकता है कि बिना पुलिस की मिलीभगत के यह सब कुछ संभव ही नहीं हो सकता था। लेकिन क्या यह व्यक्तिगत तौर पर कुछ पुलिसवालों की साजिढश हो सकती है या फिर पंजाब सरकार की रणनीति का ही यह हिस्सा था? इस पर तो तभी कुछ कहा जा सकता है जब इस घटना की गहराई से जांच हो। पंजाब के मुख्यमंत्री चन्नी अपनी प्रेस कान्फ्रेंस में जिस प्रकार व्यवहार कर रहे थे, उससे दाल में कुछ न कुछ तो काला दिखाई पड़ रहा है। चन्नी का कहना है कि नरेंद्र मोदी इसलिए वापिस चले गए क्योंकि रैली में केवल सात सौ लोग आए थे। चन्नी बहुत ही होशियारी से दो अलग–अलग घटनाओं का आपस में घालमेल कर रहे थे। भाजपा की रैली सफल थी या असफल थी, इसका प्रधानमंत्री की सुरक्षा से कुछ लेना–देना नहीं है। यह भाजपा का अपना राजनीतिक मामला है। चन्नी के इस बेहूदा तर्क के आधार पर तो पंजाब सरकार का स्टैंड यह बनता है कि भाजपा की रैली में ही सात सौ लोग पहुंचे, इसलिए यदि सौ–दो सौ लोगों ने फ्लाईओवर पर प्रधानमंत्री का काफिला रोक लिया तो क्या मुसीबत आ गई? पंजाब सरकार का तर्क तो यह बना कि यदि रैली में लाखों की भीड़ होती तब पंजाब की पुलिस फ्लाईओवर पर जाम न लगने देती। अब यदि रैली में ही सात सौ लोग थे, तो प्रधानमंत्री ने वहां जाकर भी क्या करना था। इसलिए फ्लाईओवर पर ही लोगों ने उनको रोक लिया तो क्या मुसीबत आ गई। चन्नी का यह तर्क बहुत ही घटिया है। रैली में लोग चाहे पांच लाख आएं या पांच, इसका प्रधानमंत्री की सुरक्षा से कुछ लेना–देना नहीं है। पंजाब पुलिस और सरकार का काम रैली में लोगों की संख्या गिनने का नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री को सुरक्षा व्यवस्था मुहैया करवाना है। इसका अर्थ तो यह हुआ कि पंजाब सरकार प्रधानमंत्री को रैली की संख्या के आधार पर सुरक्षा मुहैया करवाएगी। चन्नी के इसी तर्क से कहीं बड़े स्तर पर षड्यंत्र की बू आती है। लेकिन प्रश्न है कि कांग्रेस सरकार ने ऐसा क्यों किया? मैं यह मानने को तैयार नहीं हूं कि पुलिस का कोई बड़े से बड़ा अधिकारी भी अपने स्तर पर इस प्रकार की योजना बना सकता है।

हां, यदि कोई पुलिस अधिकारी व्यक्तिगत तौर पर षड्यंत्रकारियों के साथ मिल गया हो तो अलग बात है। अलबत्ता तब तो स्थिति और भी भयानक है। पंजाब सरकार को अपनी पुलिस की जांच करवानी चाहिए। इसलिए आसन्न चुनावों को देखते हुए कांग्रेस सरकार की भाजपा से टक्कर लेने की यह नई रणनीति ही हो सकती है। चंद वोटों की खढातिर कांग्रेस सीमांत प्रांत में प्रधानमंत्री की सुरक्षा को ही दांव पर लगा देगी, ऐसा किसी ने शायद सोचा भी नहीं होगा। लेकिन इसमें आश्चर्यचकित होने वाली कोई बात नहीं। इससे पहले भी कांग्रेस अपने राजनीतिक हितों के लिए पंजाब को आतंकवाद की भट्ठी में झोंक चुकी है। क्या पंजाब में कांग्रेस फिर उसी राह पर चल पड़ी है? कल की घटना के संकेत तो यही कहते हैं। क्या कांग्रेस शासित राज्यों में विरोधियों का मुकाबला इसी प्रकार किया जाएगा? सूचनाएं मिल रही हैं कि रैली में जा रहे लोगों को जगह–जगह प्रदर्शनकारियों ने रोका, मारा–पीटा और पुलिस या तो मूकदर्शक बनी रही या फिर गुंडागर्दी करने वालों के साथ ही मिल गई। सोनिया कांग्रेस पंजाब को लेकर एक बार फिर खढतरनाक रास्ते पर चल पड़ी दिखाई देती है। इससे अंततः देश को ही नुकसान होगा। उधर हमारा पड़ोसी देश पाकिस्तान तो चाहता ही है कि पंजाब में कोई न कोई गड़बड़ हो जाए। वह लंबे समय से इसके लिए प्रयासों में जुटा हुआ है।

नियमों का पालन करते हुए और सामूहिकता दिखाते हुए करें तीसरी लहर का मुकाबला

कोरोना की तीसरी लहर एक बार फिर बड़े संकट का इशारा कर रही है। अमेरिका से भारत तक एवं दुनिया के अन्य देशों में कोरोना के बढ़ते मामले चिंता में डालने लगे हैं, क्योंकि कोरोना की पहली एवं दूसरी लहर में जन–तबाही देखी है। पिछले सप्ताह से भारत में कोरोना संकट तेजी से बढ़ने लगा है। जबकि ठीक होने वालों का दैनिक आंकड़ा बहुत कम है, इसलिये सक्रिय मामलों की संख्या बढ़ने लगी है। इस बीच देश में 15 से 18 साल के किशोरों को कोरोना टीका लगाने की शुरुआत स्वागत योग्य है। लंबे इंतजार के बाद जब किशोरों के लिए टीकाकरण अभियान शुरू हुआ तो स्वाभाविक ही इसे लेकर उत्साह दिखा। पहले ही दिन चालीस लाख से अधिक किशोरों ने टीका लगवाया। टीकाकरण शुरू होने से पहले इस उम्र वर्ग के आठ लाख किशोरों ने जिस उत्साह के साथ पंजीकरण कराया है, उससे साफ है कि इस आयु वर्ग के टीकाकरण में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा। पहली लहर में देखा गया था कि बच्चों और किशोरों पर कोरोना का बहुत असर नहीं हुआ था। मगर दूसरी लहर में वे भी भारी संख्या में चपेट में आए थे। इसलिए भी तीसरी लहर को लेकर एक भय, डर एवं आशंका का माहौल है, किशोरों के सुरक्षित जीवन के लिये उनका टीकाकरण एक जरूरी एवं उपयोगी कदम है। वल भारत बायोटेक की कोवैक्सीन ही लगाई जाएगी। किशोरों का दसवीं कक्षा का आईडी कार्ड रजिस्ट्रेशन के लिए पहचान का प्रमाण माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 25 दिसम्बर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन पर बच्चों–किशोरों को वैक्सीन देने की घोषणा की थी। कोरोना वैक्सीन की दोनोंघ्डोज लगा चुके वृद्ध लोगों के लिये 10 जनवरी 2022 से बूस्टर डोज लगाने का उपक्रम शुरू करना भी कोरोना को परास्त करने का एक प्रभावी चरण है। प्रारंभ में 60 से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों, स्वास्थ्यकर्मियों व अन्य कोरोना योद्धाओं को बूस्टर डोज लगने की विधिवत शुरुआत हो जाएगी। इससे प्रतीत होता है कि केन्द्र सरकार एवं प्रांत की सरकारें कोरोना को लेकर गंभीर है, जागरूक हैं। लेकिन सरकार की जागरूकता से ज्यादा जरूरी है आम आदमी की जागरूकता और अपनी सुरक्षा के लिए सचेत रहना। किशोरों के टीकाकरण में उत्साह से सहभागी बनने की जरूरत है, बिना किसी भय एवं आशंका के। याद रखें कि पूर्ण रूप से टीकाकरण के बावजूद इजरायल भी चिंता में है और अमेरिका में तो कोरोना की नई लहर आ गई है। भारत को हर तरह से सचेत रहकर कोरोना महामारी से लड़ना है और साथ ही, यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि फिर से लॉकडाउन की नौबत न आने पाए। दरअसल, टीके की उपलब्धता और किशोरों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों आदि के मद्देनजर सरकार ने इस दिशा में कोई कदम बढ़ाने से खुद को रोक रखा था। व्यापक जांच एवं परीक्षण के बाद अब वे दुविधाएं दूर हो चुकी हैं। हमारे देश में किशोरों की खासी बड़ी आबादी है। उनका टीकाकरण न हो पाने की वजह से स्कूल–कालेज खोलने को लेकर भी रुकावट पैदा हो रही थी। अभिभावक इस बात से सशंकित थे कि बच्चों को स्कूल भेजेंगे तो संक्रमण का खतरा बना रहेगा। ऐसा कई जगहों पर हुआ भी, जब स्कूल–कालेज खोले गए और बच्चे वहां गए, तो बड़ी संख्या में संक्रमित हो गए। फिर स्कूल बंद करने पड़े। पिछले दो साल से स्कूल–कालेज बंद रखने, आंशिक रूप से खोलने या ऑनलाइन पढ़ाई का नतीजा यह हुआ है कि बच्चों के सीखने की क्षमता पर बुरा प्रभाव पड़ा है। खासकर बोर्ड परीक्षाओं को लेकर फैसला करने में अड़चन आ रही थी।

ऐसे में टीकाकरण अभियान शुरू होने से बच्चे, अभिभावक, स्कूल और बोर्ड परीक्षा संचालित कराने वाली संस्था तक संक्रमण से सुरक्षा को लेकर कुछ आश्वस्त हो सकेंगे। ऐसा इसलिये भी जरूरी है कि बच्चों को देश का भविष्य माना जाता है। बच्चों के उन्नत, स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य एवं कोरोना के संभावित खतरे को देखते हुए सरकार ने सोच–समझकर कोरोना के विरुद्ध कोई सार्थक वातावरण निर्मित किया है तो यह सराहनीय स्थिति है। ओमीक्रोन की तीव्र संक्रमण दर और बच्चों–किशोरों के भी इसकी चपेट में आने की खबरों ने अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी थी। स्कूल–कालेज बंद करने और कड़ी पाबंदियों के लौटने से हर कोई चिंतित है। अभिभावक तो पहले ही बच्चों का वैक्सीनेशन नहीं होने तक उन्हें स्कूल भेजने को तैयार नहीं थे। अब बच्चों का वैक्सीनेशन शुरू होने से अभिभावकों को चिंता कम होगी, वहीं दूसरी ओर देश की शिक्षण संस्थाओं में स्थिति सामान्य बनाने में भी मदद मिलेगी। बच्चों के टीकाकरण से देशवासियों को नया सबल मिलेगा, स्वास्थ्य–सुरक्षा का वातावरण बनेगा। अभिभावकों को चाहिए कि वे किसी भ्रम में न रहें और बेवजह भयभीत न हों। अभिभावकों को जिम्मेदार व्यवहार दिखाते हुए किशोरों का टीकाकरण कराना चाहिए, इस टीकाकरण के लिये सकारात्मक वातावरण बनाने में सहयोगी बनना चाहिए। इस संबंध में उन्हें कोई लापरवाही नहीं बतरनी चाहिए।

किशोरों के लिए शुरू हुए टीकाकरण अभियान में सरकार ने काफी सूझबूझ से काम लिया है, इस टीकाकरण की एक अच्छी बात यह भी है कि उनके लिए अलग से केंद्र बनाए गए हैं और स्कूलों में भी इसकी सुविधा उपलब्ध करा दी गई है। स्कूलों को टीकाकरण केन्द्र बनाने से बच्चों को काफी सुविधा हुई है। किशोरों को आगामी बोर्ड परीक्षा को लेकर चिंता है। वे चाहते हैं कि परीक्षाएं शुरू होने से पहले दोनों खुराक ले लें, ताकि प्रतिरोधक क्षमता बढ़े और वे संक्रमण से बच सकें। इसलिए भी किशोरों में टीकाकरण को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। शुरू में जब टीकाकरण अभियान चला था, तो इसे लेकर तरह–तरह की आशंकाएं जताई गई थीं, जिसके चलते बहुत सारे लोगों के मन में हिचक बनी हुई थी। मगर कोरोना की दूसरी लहर में देखा गया कि जिन लोगों ने टीका लगवाया था, उन पर कोरोना का असर घातक नहीं रहा। इससे भी लोगों में टीकों को लेकर विश्वास पैदा हो गया था। इसलिए भी बहुत सारे अभिभावकों की मांग थी कि किशोरों के लिए भी टीकाकरण अभियान जल्दी शुरू किया जाए।

भारत में कठिन परिस्थितियों में भी देशवासियों ने जिस तरह से कोरोना की दूसरी लहर का सामना किया है वे आज भी तीसरी लहर का सामना करने में सक्षम हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सतत जागरूकता, देशवासियों और कोरोना वारियर्स के लगातार संघर्ष ने हताशा के बीच भी जीवन को आनंदित बनाने का साहस प्रदान किया है, जो समूची दुनिया के लिये प्रेरणा का माध्यम बना है। इस समय पूरी दुनिया कोरोना के अदृश्य नए वैरियंट ओमीक्रोन से जूझ रही है। भारत में भी कोरोना के नए केस तेजी से बढ़ रहे हैं लेकिन भारतीयों के चेहरे पर कोईघ्खौफ नजर नहीं आ रहा। इसका श्रेय देश में सफलतापूर्वक चल रहे टीकाकरण अभियान को जाता है। लेकिन जानबूझकर लापरवाही एवं पाबंदियों एवं बंदिशों की उपेक्षा घातक हो सकती है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत दुनिया में सबसे तेज कोरोना टीकाकरण करने वाला देश है। 30 दिसम्बर तक भारत की 64 फीसदी आबादी को कोरोना वैक्सीन की दोनोंडोज लग चुकी हैं और लगभग 90 फीसदी को कोरोना वैक्सीन की एक डोज लग चुकी है। सम्पूर्ण टीकाकरण का लक्ष्य प्राप्त करने में अभी भी लम्बा समय लगेगा। इसी तरह किशोर भी वैक्सीनेशन के बाद सुरक्षित और स्वतंत्र महसूस करेंगे। अभिभावक भी खुद को बच्चों–किशोरों के जीवन के प्रति किसी जोखिम की चिंता से मुक्त हो जाएंगे।

कोरोना आपातकाल में जीवन को सुरक्षित और सहज बनाने के लिए टीका लगवाना जरूरी है। इसलिए जो लोग टीका लगवाने से झिझक रहे हैं, उन्हें भी टीका लगवाना चाहिए। अभिभावक भी बिना किसी खौफ के अपने बच्चों को वैक्सीनेशन केन्द्रों तक ले जाएं तभी संक्रमण का खतरा कम होगा। सामाजिक तौर पर भी हमें जिम्मेदार व्यवहार अपनाना चाहिए और संक्रमण के बचाव के परम्परागत उपायों का पालन करना चाहिए, साथ ही हमें बच्चों को भी यह पालन करना सिखाना होगा। हमें तीसरी लहर का मुकाबला सामूहिक इच्छाशक्ति, संकल्प एवं जिम्मेदारी से करना होगा। अगर हम ऐसा कर गए तो कोरोना वायरस पराजित हो जाएगा। इसलिए हिम्मत से काम लेना होगा।

–ललित गर्ग

इंसानियत की अलख जलाता साधक–डॉ. अजय सिंह यादव

स्टोरी : सैयद अख्तर अली

संसाधनों की कमी की आड़ लेकर मौखिक आश्वासन देना बहुत आसान बात है लेकिन अपने निजी प्रयास और व्यक्तिगत सहयोग से मुसीबतजदा लोगों का दुख दूर करके उनके होठों पर मुस्कान लाना ही सच्ची मानवता है। कहते हैं इंसान आज हर रिश्ते में व्यापार खघेज रहा है, उसे खघ्द के अंदर झाँक कर थोड़ा विचार करना चाहिए। समाज कल्याण, समाज सेवा से ही संभव होगा। उपदेशों से कभी समाज का सुधार नहीं होता। डॉ. अजय सिंह यादव ने इस कथन को आत्मसात किया है। यह पिछले 20 वर्षों से हजारों परिवार के जीवन में खुशियां लाने के नेक कार्य में निरंतर जुटे हुए हैं। हिंदी में एम ए सहित कई विशिष्ट योग्यता रखने वाले डॉ. अजय सिंह यादव को सरकारी सेवा में जाने का मौका मिला लेकिन उसे तिलांजलि देकर समाज सेवा का रास्ता चुना। फिजियो थेरेपी में डिप्लोमा, यूपी स्टेट मेडिकल फैकल्टी से डिप्लोमा, कंसोल ऑपरेटर कम प्रोग्रामर असिस्टेंट डिप्लोमा जैसी योग्यता रखने वाले डॉ. अजय सिंह यादव गौ भक्त है। इनकी श्री राधा बल्लभ गौशाला में गिर नस्ल की 46 गायों के चारा पानी के व्यवस्था की कमान ये अपने हाथों में संभाले हैं। आसपास के अन्य राज्यों से भी गौप्रेमी, गौमाता के बेहतर पालन पोषण की जानकारी इनसे लेते हैं। कुछ दिन पहले झारखंड के गौ प्रेमी, श्री राधा बल्लभ गौशाला में कई दिनों रुककर गौ सेवा का प्रशिक्षण प्राप्त किये हैं। गायों के आराम और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए अपने गौ आश्रम में गायों के बैठने वाली जगह पर सई नदी से धारा किनारे वाला पीला बालू मंगाकर उसकी मोटी परत बिछवाई है। गौमाताओं को संक्रमण से बचाने के लिए उच्चकोटि की सफाई व्यवस्था रहती है। गोबर से उत्पन्न कीचड़ में गायें फिसल जाती थी अतः खड़ंजा बिछवाया है। गौ माताओं की खुराक में गुड़ अनिवार्य रूप से शामिल है। सर्दियों में ठंड से बचाने के लिए प्रतिदिन हल्दी, अजवाइन के साथ गुड की मात्रा दोगुनी कर दी है। गौशाला में गायों के बीमार होने पर उनका इलाज स्वंय करते हैं। सुबह काम पर निकलने से पहले और वापस लौटने पर गौ दर्शन करना इनकी दिनचर्या का अटूट नियम बन चुका है। गौशाला की प्रत्येक गायें अपने नाम से जानी जाती हैं। जैसे नौमी लाल की अम्मा, तारा की अम्मा, फुर्तीली, सुस्तीली, काबरी, अटल इत्यादि। अपना नाम पुकारे जाने पर दौड़कर पहुंच जाती है। डॉ. अजय के सामाजिक कार्यों की

लंबी फेहरिस्त है। कोरोना लॉक डाउन में तकरीबन 250 परिवारों को रोजाना राशन सामग्री उपलब्ध कराया। इनका पूरा परिवार भगवान कृष्ण का उपासक है। सन 2002 में इन्होंने अपने पिता की खरीदी जमीन पर भव्य राधा कृष्ण मंदिर की स्थापना किया। मंदिर समिति में 7 सदस्य हैं जिनके अंशदान से वर्षभर सामाजिक कार्य होते हैं। प्रतिवर्ष 10–11 गावों में हजारों की संख्या में साड़ी वितरण, कंबल वितरण के साथ–साथ राशन सामग्री वितरित करते हैं। कोरोना संक्रमण से लोगों को बचाने के लिए सैनीटाइजर एवं मास्क का निरंतर वितरण कर रहे हैं। कोराना काल के दौरान सड़क से गुजरने वाले हजारों प्रवासियों को भोजन कराया और राशन किट दिया। रायबरेली रोड स्थित बाबू खेड़ा, बंगाली बस्ती में अग्निकांड से 200 परिवारों की गृहस्थी का समस्त सामान जलकर राख हो गया। 200 परिवार सड़क पर आ गए। इस मुश्किल समय में अग्निपीड़ित परिवारों को दैनिक उयोग के समस्त समान, राशन, कपड़े इत्यादि मुहैय्या कराया। अपनी संस्था में महिलाओं को सिलाई –कढ़ाई, कंप्यूटर, ब्यूटीशियन इत्यादि का निःशुल्क प्रशिक्षण दिखाने के बाद प्रमाण पत्र देते हैं ताकि महिलाएं स्वावलंबी बनकर बेहतर तरीके से अपना परिवार चला सकें। संस्था में लगभग 10 दर्जन परिवारों की महिला सदस्य जूट निर्मित उत्पाद का निर्माण कर रही हैं जबकि पुरुष सदस्य उन उत्पादों को मार्केट में बेचकर अच्छी आमदनी हासिल कर रहे हैं। यहां से प्रशिक्षित लड़कियां विवाह के बाद सिलाई कढ़ाई कंप्यूटर का काम करके अपना परिवार भली–भांति चला रही हैं। ऐसे समय जबकि अधिकतर लोग समस्या को दूर करने की बजाय ठीकरा दूसरे के सिर पर फोड़ देते हैं वहीं डॉ. अजय यादव ने क्षेत्र में निजी प्रयास से अनेकों विकास कार्य कराएं हैं जिसकी लोग भूरी भूरी प्रशंसा करते हैं। 2010 से 2016 तक ब्लॉक प्रमुख सरोजनी नगर पद पर कार्यरत रहे। कासिम खेड़ा गाँव का मजरा नुरदी खेड़ा है। गांव में सड़क बनना बहुत जरूरी था लेकिन वन विभाग रोड़े अटका रहा था। ग्रामवासियों को बहुत दिक्कत होती थी। तत्कालीन विधायक, तत्कालीन ब्लाक प्रमुख कोशिश करके हार गए लेकिन सड़क निर्माण में उन्हें सफलता नहीं मिली। डॉ. अजय सिंह यादव ने ब्लॉक प्रमुख की कुर्सी संभालने के बाद रात–दिन कड़ी मेहनत और भागदौड़ करके वैन विभाग से एनओसी लेकर सड़क निर्माण कराया। आज भी ग्रामवासी उनके इस काम की तारीफ करते हैं। सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की समुचित जानकारी ना होने के कारण बहुत से लोग लाभ लेने से वंचित रह जाते हैं। कागज बनवाने में चप्पलें घिस जाती हैं। इन्होंने ब्लॉक प्रमुख रहते हुए अनूठी कार्यशैली अपनायी। एक ही स्थान पर लेखपाल, ग्राम विकास अधिकारी और बैंक मैनेजर को बैठा देते थे। समाजवादी पेंशन और दूसरे योजना का लाभ एक ही छत के नीचे लोगों को दिलाते थे। कागज बनवाने के लिए लोगों को अनावश्यक दौड़ना न पड़े इसलिए मौके पर ही लेखपाल, ग्राम विकास अधिकारी रिपोर्ट लगा देते थे। नियमित रूप से ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन करते हैं। प्रतिवर्ष विशाल भगवत कथा का आयोजन, श्री कृष्ण जन्मोत्सव पूरे धूमधाम के साथ 9 दिनों तक चलता है जिसमें प्रतिदिन भंडारा होता है। इन्होंने सैकड़ों निर्धन लड़कियों के हाथ पीले करके हंसी खुशी ससुराल विदा किया है। इनके विद्यालय में एक ही परिवार के पढ़ने वाले 3 बच्चों में 1 की शिक्षा निःशुल्क है। समाज के सर्वांगीण विकास और खुशहाली के लिए डॉक्टर अजय सिंह यादव जैसे नेकी के फरिश्तों की आज सख्त आवश्यकता है।

आपराधिक प्रवृत्ति के युवक को मोती गंज पुलिस ने किया जिला बदर

डूग्गी मुनादी दीवार पर चस्पा किया नोटिस, गाव वालों को दी हिदायत

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। गोंडा थाना मोतीगंज क्षेत्र के राम ललित वर्मा पुत्र प्रभु नाथ वर्मा निवासी गांव वीरेपुर को जिलाधिकारी के छः महीने के लिए जिला बदर किया गया है। प्रभारी निरीक्षक मोतीगंज अरविंद कुमार के नेतृत्व में हमराही टीम उपनिरीक्षक वर्मा पुत्र प्रभु नाथ वर्मा के घर वालों को सूचित करते हुए उपस्थित ग्रामीणों को निर्देशित करते हुए कहा अगर कोई व्यक्ति उक्त व्यक्ति को संरक्षण देने की कोशिश की तो उसके विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी साथ ही साथ दीवारों पर उक्त के बिरुध नोटिस चस्पा करते

धर्मेंद्र कुमार,हेड कांस्टेबल प्रमोद सिंह, कांस्टेबल मृत्युंजय कुमार, कांस्टेबल प्रताप सिंह गंगवार व सनोज कुमार मय फोर्स के साथ अपराधी के गांव बीरेपुर में ढुग्गी मुनादी कराकर अपराधी राम ललित हुए आवश्यक कार्यवाही की गई। साथ ही कहा यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त युवक जनपद की सीमा में 6माह के मध्य दिखाई देता है तो तत्काल थाना मोती गंज अथवा पुलिस चौकी थाना में सुचना दे।

निःशुल्क खाद्यान्न वितरण को लेकर डीएम ने जारी किए दिशा निर्देश

खाद्यान्न वितरण में गड़बड़ी की शिकायत पर होगी कठोर कार्यवाही –डीएम

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। गोंडा जिलाधिकारी मार्कण्डेय शाही ने निःशुल्क वितरण माह जनवरी 2022 के प्रथम वितरण चक्र में अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी योजना के कार्ड धारकों को आयोडाइज्ड नमक, दाल, साबुत चना एवं रिफाइंड सोयाबीन ऑयल तथा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अन्तर्गत आवंटित खाद्यान्न का वितरण 06 जनवरी से 15 जनवरी के मध्य निःशुल्क वितरण कराये जाने के सम्बन्ध में निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 के अन्तर्गत आवश्यक वस्तुओं का वितरण दिनांक 06 जनवरी से प्रारम्भ होकर 15 जनवरी तक सम्पन्न होगा। इस अवधि में अन्त्योदय कार्ड धारकों को प्रति कार्ड 35 किलोग्राम खाद्यान्न (20 किलोग्राम गेहूं व 15 किलोग्राम चावल) तथा पात्र गृहस्थी योजना के राशन कार्डो से सम्बद्ध यूनिटों पर 5 किलोग्राम खाद्यान्न प्रति यूनिट (03 किलोग्राम गेहूं व 02 किलोग्राम चावल) का निशुल्क वितरण लाभार्थियों में सुनिश्चित कराया जायेगा। प्रत्येक अन्त्योदय तथा पात्र

गृहस्थी योजना के कार्ड धारकों को खाद्यान्न के साथ–साथ 01 किलोग्राम आयोडाइज्ड नमक, 01 किलोग्राम साबुत चना तथा 01 लीटर रिफाइंड सोयाबीन ऑयल का निशुल्क वितरण किया जायेगा। उपरोक्त पांचो वस्तुओं का वितरण एक साथ सुनिश्चित कराया जायेगा। राशन कार्ड धारकों को पोर्टेबिलिटी के अन्तर्गत उक्तानुसार पांचो सामग्री एक साथ प्राप्त करने की सुविधा उचित दर विक्रेता के स्टाफ में उपरोक्त वस्तुओं की उपलब्धता की सीमा तक अनुमन्य रहेगी। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि किसी उपभोक्ता अथवा जन सामान्य को किसी विक्रेता के विरूद्ध किसी प्रकार की शिकायत हो तो जिला पूर्ति कार्यालय या सम्बन्धित तहसील के उप जिलाधिकारी कार्यालय से सम्पर्क कर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। यदि किसी उचित दर विक्रेता के द्वारा खाद्यान्न वितरण के सम्बन्ध में घटतौली अनियमितता किये जाने की शिकायत प्रकाश में आती है तो उसके विरूद्ध कठोर दंडात्मक कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

सर्दी के साथ बारिश से बढ़ी मौसम में जलन जनजीवन अस्त व्यस्त

अव्यवस्थाओं के चलते सर्दी से मर रहे बेसहारा पशु घरो में दुबके लोग

अवध की आवाज ब्यूरो

कदौरा/जालौन।बारिश के बाद परवान चढ़ी सर्दी से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया वही बारिश से मौसम में और भी गलन बढ़ गयी वही गांव गांव बेसहारा पशुओं की हालत भी खस्ता है जिससे आये दिन मर रहे मवेशी आस पास सुनसान जगह में फेंके जा रहे है।वही सुबह से बिगड़े मौसम की वजह से लोग भी घरो में दुबके रहे। जनवरी माह के प्रथम सप्ताह में सर्दी के साथ हुई लगातार हल्की बारिश से जलन बढ़ गई जिससे जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया क्षेत्र में इसी सप्ताह सर्दी के चलते दो किसानों की ठंड से अटैक पड़ने से मौत हो चुकी है साथ ही गुरुवार की सुबह से लगातार हल्की बारिश के चलते बढ़ी सर्दी गलन से मौसम अत्यधिक सर्द हो गया जिससे अधिकांश सरकारी कार्य से लेकर बाजार में भी फर्क दिखा लोग घरो में दिन भर दुबके रहे। वही क्षेत्र के अधिकांश गांवो में बेसहारा पशुओं के लिए बेहतर इंतजाम न होने की वजह से आये दिन पशुओं की मौत हो रही है विगत दिन ग्राम पंचायत जकसिया गौशाला में सर्दी बचाव के इंतजाम न होने के आरोप ग्रामीणों द्वारा लगाते हुए वीडियो वायरल किये गए एव आरोप लगाया कि उक्त ग्राम पंचायत में अक्सर मवेशी मरने पर प्रधान के इशारे में उक्त म्रत पशुओं को खुले में फेंक लापरवाही भी उजागर होती दिख रही है कि मौके पर उक्त पशु चिकित्सा विभाग से विशेष ध्यान न देने के कारण मवेशियो की मौत हो जाती है साथ ही अलग अलग ग्रामीणों द्वारा उक्त आरोप

दिया जाता है वही कुछ ग्रामीणों द्वारा अपने खेत मे मरे जानवर फेंकने की वजह से विरोध किया व ट्रैक्टर वापस करवा दिया गया ऐसे ही ग्राम गररेही में भी आये दिन मवेशी गौशालाओं में मर रहे है। उधर गौशालाओ में सर्दी से बीमार पशुओं की देखभाल उपचार को लेकर पशु चिकित्साधीकारी की भी लगाए गए है कि गौशालाओ में भूसा चारा की जगह पयार ही खाने को दिया जा रहा है एव जकसिया जैसी पंचायत में पीने के इंतजाम भी न होने की बात कही गयी।फिलहाल बिगड़े मौसम के मिजाज को लेकर पशु ही नःही वल्कि इंसानों का भी जन जीवम अस्त व्यसत है।

गौ आश्रम केंद्र में पशुओं को छोड़ने को ले कर हुयी मार पीट, पुलिस से शिकायत

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। गोंडा एक तरफ सरकार ने प्रशासन को सख्त आदेश दिया है की सभी छुट्टा पशुओं को आश्रय केंद्र भिजवाया जाय, तो वहीं दूसरी तरफ आश्रय केंद्र में छुट्टा पशुओं को रखने को ले कर आश्रम के कर्मचारियों व पेड़ारन गाँव के प्रधान के साथ आये लोगों ने मारपीट कर ली है। मामला मुजेहना के गौ आश्रय केंद्र रुद्रगड़ नौसी का है यहां गुरूवार को पेड़ारन गाँव के प्रधान अवधेश कुमार वर्मा गाँव के बीस पच्चीस लोगों के साथ करीब सौ की संख्या में मवेशी ले कर रुद्रगढ़ नौसी आश्रय केंद्र पहुंच गए, वहां तैनात कर्मचारी देवेन्द्र पाण्डेय ने कहा की जब अधिकारी नही कहेंगे दूसरे क्षेत्र के पशुओं को आश्रय केंद्र में नही रखा जाएगा जिस प्रधान अथवा उनके समर्थक उग्र हो गए और जबरदस्ती आश्रय केंद्र की बाउंडरी लांघ कर मुख्य द्वारा खोलने लगे जिसका विरोध करने पर आश्रय केंद्र के कर्मचारी गाली गलौज देते हुए मारपीट किये तो घटना की जानकारी डायल हंड्रेड को दी गयी, कुछ ही देर में वहां पुलिस ने पहुंच कर स्थिति को सम्भाल लिया तथा आश्रय केंद्र के कर्मचारी देवेन्द्र पाण्डेय जिससे मारपीट की गयी थी उससे तहरीर ले ली गयी है। थानाध्यक्ष शेष मणि पाण्डेय ने बताया है की घटना की तहरीर मिली है जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी।

खेत में पानी लगाए किसान की ठंड से मौत परिजनों में मचा कोहराम

अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टर ने किया म्रत घोषित

अवध की आवाज ब्यूरो

कदौरा/जालौन।खेत में पानी लगाए किसान की ठंड की चपेट में अचानक अटैक पड़ जाने से सीएचसी ले जाया गया जहां डॉक्टर द्वारा उन्हें मृत घोषित कर दिया उक्त घटना के चलते म्रतक परिवार में कोहराम मच गया। ज्ञातव्य हो कदौरा क्षेत्र ग्राम गररेही निवासी किसान बृजलाल पुत्र शंभु दयाल 65 वर्ष की अचानक अटैक पड़ने से मौत हो गयी हालत बिगड़ते ही आस पास परिजनों द्वारा उन्हें सीएचसी ले जाया गया जहां डॉक्टरों द्वारा उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। परिजनो द्वारा बताया गया कि म्रतक बीती बुधवार को अपने खेत मे पानी लगाए था जिसकी गुरुवार की सुबह अचानक हालत बिगड़ गई एव किसान ने अपने परिजनों से कहा कि उसे घबराहट हो रही है देखते ही देखते पत्नी रन्नो देवी द्वारा आस पास लोगो की मदद से

किसान को कदौरा सीएचसी ले जाया गया जहां डॉक्टर द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया बताया गया कि उक्त किसान के लगभग 3 बीघा जमीन थी जो कि उसी में गेहूं मटर आदि की फसल किये था एव घर पर पति पत्नी ही रहते थे एव एकलौता पुत्र दीपू बाहर रहता है फिलहाल घटना होते ही पुत्र को सूचना दी गयी।जिससे परिजनों में कोहराम मच गया वही घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है मामले में चिकित्सक डॉ अशोक चक द्वारा कहा गया कि म्रतक के पुत्र के आने का परिजन इंतजार कर रहे है वही सूत्रों द्वारा बताया गया कि म्रतक पुत्र द्वारा पोस्टमार्टम के लिए इनकार कर दिया गया।

भाजपा के लायक सिंह कुशवाहा का ज्योतिरादित्य सिंधिया के जन्मदिन के उपलक्ष पर १० हजार गरीब लोगों को कंबल वितरण

अवध की आवाज ब्यूरो

उरई, जालौन। भाजपा किसान मोर्चा समिति के प्रदेश कार्य समिति के सदस्य लाइक सिंह कुशवाहा ने ज्योतिरादित्य सिंधिया के जन्मदिन के उपलक्ष में हाड़ कपाती सर्दी को देखते हुए 10,000 गरीबों को कंबल बांटने का लक्ष्य रखा, जो विधानसभा क्षेत्र से आप चुनाव की तैयारी कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा कि यदि मैं लहार विधानसभा क्षेत्र से चुनाव की तैयारी कर रहा होता तो भिंड ग्वालियर दतिया के अलावा उत्तर प्रदेश में भी जरूरतमंदों की मदद करता चला आ रहा हूं,इससे चुनाव का कोई

ग्वालियर और दतिया से प्रारंभ किया और भिंड जिले में आज भी जारी है जिसके तहत लायक सिंह कुशवाहा ने अपने पैतृक गांव जमुहां में शिविर लगाकर करीब 60 गांव के सेकंडों लोगों को कंबल वितरण का कार्य किया। लायक सिंह कुशवाहा का कहना है कि वह निष्पक्ष भाव से लगातार गरीबों की सेवा करते चले आ रहे हैं।कोरोना कल की बात की जाए तो उन्होंने गरीबों को राशन पानी देने का कार्य किया। वही भिंड और जालौन में बाढ़ के रूप में आई आपदा में भी लहार रौन मेहगांव, भिंड, जालौन क्षेत्र में सैकड़ों बेघर हुए गरीबों को राशन पानी और अन्य आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई। इतना ही नहीं ग्वालियर चंबल संभाग में पड़ रही हाड़ कपाती सर्दी को देखते हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया के जन्मदिन के उपलक्ष में संकल्प लिया था कि वह ग्वालियर चंबल संभाग क्षेत्र में जो गरीब हैं, उनको कंबल बांटने का कार्य करेंगे, उस संकल्प को पूरा करते हुए आज दिन तक कंबल बांटने का कार्य जारी है।जमुहां गांव में शिविर लगाकर सैकड़ों लोगों को कंबल बांटे इतना ही नहीं जो दूरदराज गांव से लोग आए थे उन्हें आने जाने की और स्वल्पाहार की व्यवस्था कराई। लाइक सिंह कुशवाहा का कहना है कि जो सक्षम है उन्हें गरीबों की बिना किसी भेदभाव के आगे आकर मदद करनी चाहिए, और इसी के तहत वह गरीबों की मदद करके चले आ रहे हैं। वही जब उनसे पूछा गया क्या लहार ताल्लुक नहीं है। हां यदि भाजपा उनको टिकट देती है तो जिम्मेदारी निभाते हुए वह क्षेत्र की जनता के लिए चुनाव लड़ने को तैयार रहेंगे।

एकीकृत ब्राह्मण महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष संजय पाठक ने कहा कि यदि अवसर मिला तो मेहनौन विधान सभा क्षेत्र में हर गली मोहल्ले में चौमुखी होगा विकास

अवध की आवाज ब्यूरा

गोंडा। विधानसभा मेहनौन एकीकृत ब्राह्मण महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष संजय पाठक ने गुरुवार को मेहनौन विधानसभा क्षेत्र के कई गांव का भ्रमण किया कई स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया, प्रदेश अध्यक्ष ने सबसे पहले भगवान भोले शंकर के शरण में पृथ्वीनाथ मंदिर पहुंचकर दर्शन पूजन किया पृथ्वीनाथ के मंदिर के महंत ने ब्राह्मण महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष संजय पाठक को माला पहनाकर सम्मानित भी किया इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष का काफिला झाली धाम आश्रम पहुंचा झाली धाम मंदिर में पूजा अर्चना की उसके बाद महंत का आशीर्वाद लिया इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष ने जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने इटियाथोक और रुपईडीह प्रखंड की विभिन्न पंचायतों के जनता से अपने लिए समर्थन मांगा। उन्होंने कहा कि अगर मौका मिला तो मेहनौन विधान सभा क्षेत्र में हर गली मोहल्ले में चौमुखी विकास होगा। उन्होंने जनसंपर्क के दौरान

कहा कि क्षेत्र के लोगों को विकास के नाम पर सिर्फ गुमराह किया गया है। अगर मुझे जनता का आशीर्वाद प्राप्त हुआ तो क्षेत्र में नेता नहीं बल्कि बेटा और भाई बनकर विकास करूंगा। एकीकृत ब्राह्मण महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मेहनौन विधानसभा सबसे पिछड़ा क्षेत्र है। यहां अपेक्षाकृत समेकित विकास नहीं हुआ है। मोदी और योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में दूसरी बार सरकार बनते ही सबसे पहले बेरोजगार युवाओं को रोजगार के साथ– साथ अच्छी शिक्षा की व्यवस्था कराई जाएगी। उद्योग के साथ ही रोजगार के अवसर खुलेंगे। मौके पर ब्राह्मण महासंघ के जिला अध्यक्ष,मौके पर जिला मंत्री कई ग्राम प्रधान सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अब सात दिन ही रहना होगा होम आइसोलेशन में

लगातार तीन दिन तक बुखार न आने पर खत्म माना जाएगा होम आइसोलेशन
केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने जारी की गाइड लाइन

अवध की आवाज ब्यूरो

हरदोई। कोरोना एक बार फिर से पाँव पसारने लगा है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने कोरोना संक्रमित मरीजों के होम आइसोलेशन के बारे में गाइड लाइन जारी की है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. ओम प्रकाश तिवारी का कहना है दृ शासन से प्राप्त दिशा निर्देशों के अनुसार कम लक्षण और लक्षण विहीन कोरोना संक्रमित के होम आइसोलेशन की अवधि कम कर दी गई है। कोरोना पाजिटिव होने के सात दिन के बाद और लगातार तीन दिन तक बुखार न आने पर होम आइसोलेशन समाप्त हो जाएगा। होम आइसोलेशन की अवधि खत्म होने के बाद कोरोना टेस्ट कराने की जरूरत नहीं होगी।

बिना लक्षण वाले मरीज उन्हें कहा गया है कि जिनका कोविड टेस्ट तो पाजिटिव आया है लेकिन उन्हें कोई लक्षण नहीं हैं जबकि कम लक्षण वाले वह मरीज हैं जिन्हें खांसी और बुखार के लक्षण हों। दोनों ही मामलों में आक्सीजन स्तर 93 से कम नहीं होना चाहिए।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया– होम आइसोलेशन में उन्हीं मरीजों को रखा जाएगा जिन्हें स्वास्थ्य अधिकारी माइल्ड या बिना लक्षण वाले मरीज के रूप में पुष्टि करेंगे। ऐसे मरीज के घर में एक अलग हवादार कमरा होना चाहिए साथ ही अलग शौचालय होना चाहिए। मरीज की देखभाल करने के लिए एक व्यक्ति हो जिसे कोविड टीके की दोनों डोज लगी हो। मरीज तीन लेयर वाले मेडिकल मास्क का उपयोग हमेशा करे तथा हर आठ घंटे बाद नए मास्क का उपयोग किया जाये द्य मरीज पल्स आक्सीमीटर के साथ ऑक्सीजन स्तर और शरीर के तापमान की जांच स्वयं करे।

पैरासिटामॉल के सेवन से भी बुखार नहीं उतरता है तो डाक्टर से परामर्श लें।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया – कैंसर, एचआईवी और ट्रांसप्लांट के मरीजों को होम आइसोलेशन की इजाजत नहीं है यदि उनके डाक्टर होम आइसोलेशन की अनुमति देते हैं तभी वह होम आइसोलेशन में रह पाएंगे।

उच्च रक्तचाप, हृदय की बीमारी, गुर्दे की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, लिवर की बीमारी सेरिब्रल और वस्कुलर की बीमारियों से ग्रसित मरीज डाक्टर की सलाह पर ही होम आइसोलेशन में रह पाएंगे। कोरोना संक्रमित मरीज दिन में गरम पानी से गरारा या दिन में तीन बार भाप ले सकते हैं। मरीज को बिना डाक्टर की सलाह के स्टेरॉइड का सेवन नहीं करना है। मरीज चिकित्सा अधिकारी की सलाह से अन्य बीमारियों की दवाएं ले सकता है।

जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी प्रेम चंद यादव ने बताया – कोरोना संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए कोविड प्रोटोकॉल का पालन करें। बेवजह घर से बाहर न निकलें। एक जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य निभाते हुए 18 साल से ऊपर की आयु के लोग कोविड के दोनों टीके अवश्य लगवाएं। जिन्होंने टीके की पहली डोज नहीं ली है वह तुरंत ही लें और जिनकी दूसरी डोज का समय आ गया है तो उसे जरूर लगवाएं। तीन जनवरी से 15 से 18 वर्ष के किशोरधकिशोरियों हेतु कोविड टीकाकरण शुरू हो गया है इसलिए वह लोग भी अपना कोविड टीकाकरण अवश्य कराएं।

रामपुरा में विकास की गंगा बहाने को विधायक के भागीरथी कदम

नरौल रोड का दोहरीकरण व भैरव जी मंदिर तक सड़क का शिलान्यास

अवध की आवाज ब्यूरो

माधौगढ़, जालौन । सदियों से पिछड़े इलाके रामपुरा को विकास की गति देने के लिए क्षेत्रीय विधायक ने आज दो सड़क मार्गों के निर्माण हेतु शिलान्यास किया। जनपद में सर्वाधिक पिछड़े इलाके रामपुरा के नदिया पार में सड़कों की जर्जर स्थिति होने के कारण रामपुरा से निनावली नरौल राठौरनपुरा होकर मध्य प्रदेश के भिंड जनपद की सीमा पर बनी सडक तक पहुंचने वालों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था इसी प्रकार रामपुरा क्षेत्र के सर्वाधिक धार्मिक स्थल एवं आम जनमानस की आस्था का केंद्र भैरव जी के प्राचीन मंदिर तक आवागमन का कोई पुख्ता मार्ग न होने से वर्षा ऋतु की चार माह अथवा जब कभी भी बेमौसम बरसात होने पर यह मार्ग पूर्णता बंद हो जाता था इस दोनों समस्याओं को बरसों से क्षेत्रीय ग्रामीण अनेक जनप्रतिनिधियों के सामने रखते रहे किंतु जनप्रतिनिधियों ने आश्वासन का झुनझुना पकड़ाने के अतिरिक्त महत्वपूर्ण समस्याओं के निस्तारण हेतु इस विकास कार्य को कभी अमलीजामा पहनाने का प्रयास नही किया। वर्तमान क्षेत्रीय विधायक मूलचंद सिंह निरंजन ने रामपुरा क्षेत्र की इस समस्या को समझा और इन दोनों सड़कों के निर्माण हेतु कारगर कदम उठाते हुए अपने विशेष प्रयास से इन दोनों बहुप्रतीक्षित मार्गों को जिसमें रामपुरा से श्री भैरव जी मंदिर तक लगभग 42 लाख की लागत की 1700 मीटर सड़क के नवनिर्माण व रामपुरा से नरौल,राठौरनपुरा होकर मप्र की तक लगभग 26.85 करोड की लागत से निर्मित होने वाली 09.05 किलोमीटर सड़क सुदृढ़ीकरण व चौडीकरण को शासन से स्वीकृत करवा कर आज 6 जनवरी गुरुवार को झमाझम बारिश के बीच रामपुरा विकास खंड परिसर में तथा ग्राम नरौल पहुंचकर क्षेत्रीय लोगों को नववर्ष का तोहफा देते हुए दोनो सड़कों के निर्माण हेतु शिलान्यास किया। विधायक श्री मूलचंद्र सिंह निरंजन ने बताया कि रामपुरा से निनावली, नरौल, राठौरनपुरा होकर मध्य प्रदेश की सीमा तक सड़क से सड़क जोड़ने पर यह अंतर प्रांतीय मार्ग क्षेत्र के लोगों के विकास व सुविधा हेतु मील का पत्थर साबित होगा।

इसी प्रकार जनपद जालौन के लाखों लोगों की आस्था का केंद्र जंगल में स्थापित श्री भैरव जी के मंदिर तक पहुंचने का कोई मार्ग ना होने से भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था लेकिन वह परेशानी शीघ्र समाप्त होने वाली है उक्त दोनों मार्गों का भूमि पूजन व शिलान्यास कर आत्म संतुष्टि महसूस कर रहे हैं। इस अवसर पर अशोक कुमार सहायक अभियंता, अशरद खान सहायक अभियंता, अमरनाथ सहायक अभियंता, पुनीत विश्वकर्मा सहायक अभियंता, दिवाकर कटियार अवर अभियंता, हर्षित पटेरिया अवर अभियंता ,पुष्पेंद्र कुमार अवर अभियंता ,सुनील शर्मा पूर्व जिला उपाध्यक्ष, विधायक प्रतिनिधि महेश सिंह राजावत,चिंतामन दोहरे ब्लाक प्रमुख माधौगढ़, महेंद्र प्रधान सर्र ,संतोष प्रजापत मंडल उपाध्यक्ष,अमर सिंह पाल मई, मनोज शिवहरे .बृह्मप्रकाश कढोरे सभासद आदि अनेक लोग मौजूद रहे।

शीर्ष अदालत का उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल को प्रधानमंत्री दौर के सुरक्षा इंतजाम से जुड़े रिकॉर्ड हासिल करने का निर्देश

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल को पंजाब सरकार, उसकी पुलिस तथा केन्द्रीय एजेंसियों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया पंजाब दौरे से जुड़े सुरक्षा इंतजामों से संबंधित रिकॉर्ड ''तत्काल'' हासिल करने का शुक्रवार को निर्देश दिया। प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने पंजाब और केन्द्र सरकार की ओर से पेश अधिवक्ताओं से कहा कि प्रधानमंत्री के दौरे पर हुई चूक की जांच के लिए गठित समितियों से कहें कि वे ''सोमवार तक कोई कार्रवाई ना करे''। इस मामले में सोमवार को आगे सुनवाई की जाएगी। शीर्ष अदालत 'लॉयर्स वॉइस' की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक की गहन जांच और भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति ना हो, यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया है। पीठ ने पंजाब में प्रधानमंत्री की सुरक्षा में गंभीर उल्लंघन का आरोप लगाने वाली याचिका का संज्ञान लिया। याचिका में कहा गया है कि पंजाब फिरोजपुर में बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में गंभीर चूक हुई, जिसकी वजह से प्रधानमंत्री के काफिले को करीब 20 मिनट बठिंडा में रोकना पड़ा था।

बिना मास्क ही लोग कर रहे बसों का सफर, चालक और परिचालक भी बेपरवाह

गोरखपुर। कोरोना संक्रमण काल के दौरान रोडवेज की बसों में बिना मास्क सफर करने पर रोक है। बावजूद इसके बड़ी संख्या में परिचालकों की हैं। वहीं जिनके पास नहीं हैं उन्हें निशुल्क मास्क दिए जा रहे हैं। लेकिन अधिकारियों के दावे कितने खोखले

लोग बिना मास्क के बस में सफर कर रहे हैं। यही हाल निजी बसों का भी है। वहीं जिनके ऊपर नियम का पालन कराने की जिम्मेदारी है वह खुद बिना मास्क काम कर रहे हैं। गुरुवार को संवाददाता ने जब रेलवे बस स्टेशन पर पड़ताल की तो रोडवेज के चालकों और परिचालकों में न तो कोरोना का भय दिखा और न ही अधिकारियों का। 25 बसों की पड़ताल में एक भी चालक और परिचालक बस के संचालन के दौरान मास्क लगाए नहीं दिखे। यात्री भी बसों में बिना मास्क लगाए यात्रा करते नजर आए। रोडवेज के अधिकारियों का दावा है कि परिचालकों को सैनिटाइजर एवं मास्क दिए जा रहे हैं। यात्रियों के हाथ बस में प्रवेश करने से पूर्व सैनिटाइज कराने की जिम्मेदारी हैं ये पड़ताल में साफ नजर आया। कोरोना ने एक बार फिर पांव फैलाने शुरू कर दिए हैं। ऐसे में परिवहन निगम के जिम्मेदारों की लापरवाही लोगों पर भारी पड़ सकती है।

गोरखपुर डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक एके मिश्रा ने बताया कि कोरोना गाइडलाइन का पालन कराया जा रहा है। चालकों और परिचालकों को सैनिटाइजर दिए गए हैं। बस में यात्रियों को मास्क लगाने के लिए जागरुक किया जा है। मास्क नहीं लगाने वाले यात्रियों को बिना मास्क सफर नहीं करने दिया जाएगा। वहीं जो चालक और परिचालक बस के संचालन के दौरान मास्क नहीं लगाए मिलेंगे उन पर भी कार्रवाई की जाएगी।

7 महीने बाद कोरोना के एक दिन के मामले एक लाख के पार, ओमीक्रोन का आंकड़ा 3007 पहुंचा

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। शुक्रवार को स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना और ओमीक्रोन के आंकड़े जारी कर दिए। ताजा आंकड़ों के अनुसार, देश में कोरोना वायरस के एक दिन में आने वाले मामले, 214 दिनों बाद एक लाख से अधिक दर्ज किए गए। जारी आंकड़ों के अनुसार देश में पिछले 24 घंटे में 1,17,100 नए मामले आए। इसके बाद संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़ कर 3,52,26,386 हो गई है। वहीं,27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश से ओमीक्रोन स्वरूप के 3,007 मामले अब तक सामने आ चुके हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शुक्रवार को सुबह आठ बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार, अभी तक आए ओमीक्रोन के कुल मामलों में से 1,199 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। राज्यवार केसों की बात करें तो महाराष्ट्र में सबसे अधिक 876 मामले आए। इसके बाद दिल्ली में 465, कर्नाटक में 333, राजस्थान में 291, केरल में 284 और गुजरात में 204 मामले आए। देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 3,71,363 हो गई है जो करीब 120 दिनों में सबसे अधिक है। एक दिन में 302 मरीजों के जान गंवाने के बाद मश्तकों की संख्या बढ़कर 4,83,178 हो गई है। देश में पिछले साल सात जून को एक लाख से अधिक मामले आए थे और तब कुल 1,00,636 मामले दर्ज किए गए। मंत्रालय ने बताया कि, उपचाराधीन मरीजों की संख्या संक्रमण के कुल मामलों का 1.05 प्रतिशत है जबकि कोविड–19 से स्वस्थ होने वाले मरीजों की राष्ट्रीय दर 97.57 प्रतिशत है। 24 घंटों में कोरोना वायरस का उपचार करा रहे मरीजों की संख्या में 85,962 की वश्द्धि हुई है। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर को ये मामले एक करोड़ के पार, इस साल चार मई को दो करोड़ के पार और 23 जून को तीन करोड़ के पार चले गए थे।

शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने नौकरी की मांग को लेकर कानपुर, इटावा, फर्रूखाबाद में किया प्रदर्शन

कानपुर। 97000 पदों की शिक्षक भर्ती कराए जाने की मांग को लेकर सैकड़ों अभ्यर्थियों ने कानपुर और इटावा में प्रदर्शन किया। शुक्रवार को कानपुर विकास भवन पहुंचे सैकड़ों छात्रा–छात्राओं ने हंगामा करना शुरु कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने अभ्यर्थियों को काफी देर तक समझाने का प्रयास किया, लेकिन अभ्यर्थियों ने उनकी एक न सुनी। सुबह 11 बजे शुरू हुआ हंगामा जारी है। हाथों में पोस्टर और तख्ती लेकर छात्र छात्राएं नौकरी की मांग कर रहे हैं। वहीं इटावा कलेक्ट्रेट के सामने अभ्यर्थियों ने जाम लगा दिया। सूचना पर सिटी मजिस्ट्रेट पहुंचे लेकिन अभ्यर्थी डीएम मैडम से मिलने की जिद पर अड़े हैं।

यूपी सरकार की इस साल आने वाली 97 हजार पदों की बड़ी शिक्षक भर्ती पर संकट के बादल मंडराने लगे। बीते साल 2020 भर्ती प्रक्रिया को लेकर कोर्ट में सुनवाई चल रही है, वहीं दूसरी ओर सरकार भी प्रकरण की जांच करवा रही है।

बेसिक शिक्षा विभाग की वर्तमान में चल रही सहायक अध्यापकों की 68,500 पदों की शिक्षक भर्ती

को सीएम योगी ने ऐलान किया था कि सरकार जल्द ही 97 हजार पदों के लिए एक और शिक्षक भर्ती लेकर आएगी। मगर वर्तमान में शिक्षक भर्ती के विवादों में आने के बाद भर्ती की प्रकिया अधर में लटक गई। एक तरफ में अब तक करीब 40,788 पदों पर भर्ती हुई हैं। इस तरह कुल 97 हजार के करीब पदों की भर्ती आती। मगर वर्तमान भर्ती में अब कई ऐसे अभ्यर्थी सामने आ रहे हैं, जिनको परीक्षा में क्वालिफाइड होने के बाद भी फेल कर दिया गया था।

पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने रिजर्व पुलिस लाइन गोंडा में साप्ताहिक शुक्रवार परेड का किया निरीक्षण

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में साप्ताहिक शुक्रवार परेड की सलामी ली तथा परेड व आरटीसी रिक्रूटों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के पश्चात पुलिस अधीक्षक ने शारीरिक दक्षता विकसित करने हेतु परेड को दौड़ लगवाई। परेड में एकरूपता व अनुशासन बनाए रखने के लिए टोलीवार ड्रिल करवाई तथा उसे और बेहतर तरीके से कराने के लिए प्रतिसार निरीक्षक को निर्देशित किया व अन्य महत्वपूर्ण दिशा निर्देश भी दिए। पुलिस अधीक्षक ने आगामी विधानसभा चुनाव 2022 के दृष्टिगत परेड को बलवा ड्रिल का अभ्यास कराया तथा बलवाईयों से निपटने के बारे में भी बताया। पुलिस अधीक्षक ने पीआरवी वाहनों का निरीक्षण कर पीआरवी में उपलब्ध उपकरणों को चेक किया। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइन निरीक्षण के दौरान क्वार्टर गार्ड को चेक किया। आदेश कक्ष में गार्द कमांडरों के रजिस्टरों की चेकिंग कर आवश्यक दिशा–निर्देश भी दिए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी सदर लाइन्स, प्रतिसार निरीक्षक, परिवहन शाखा प्रभारी,आरटीसी प्रभारी,तथा पुलिस लाइन व थानों से आए हुए अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

आभूषण की दो दुकानों के चोरों ने तोड़े शटर, सोने–चांदी के जेवर समेत कैश लेकर फरार

वाराणसी। वाराणसी के सारनाथ थाना में चोर आभूषण की दो दुकानों के शटर चाड़कर आभूषण और कैश चुरा ले गए। शुक्रवार तड़के हुई इस घटना से हर कोई दहशत में है। चोरी की इन घटनाओं से क्षेत्र में पुलिस पर सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि पुलिस क्षेत्र में गश्त पर नहीं आती है और न ही चोरी की रोकथाम के लिए कोई विशेष सक्रियता दिखाती है। जानकारी के अनुसार, दुकानदार अशोक सेठ को आज सुबह पड़ोसी से पता चला कि दुकान में चोरी हो गई है। श्रीनगर बाजार स्थित दुकान की स्थिति देख अशोक सेठ सन्न रह गए। चोर तिजोरी का ताला तोड़कर ढाई किलो चांदी के आभूषण, 20 ग्राम सोने की नथुनी और लौंग, लगभग एक लाख रुपये कीमत के आभूषण सहित ढाई हजार रुपये नगद पार कर गए। पीड़ित कारोबारी ने इसकी लिखित शिकायत सारनाथ थाना पुलिस को दी है। वहीं, चंद कदम दूर एक किलोमीटर के क्षेत्र में यह चोरी की चौथी घटना है। 28 दिसंबर की सुबह सिंहपुर निवासी संजय सेठ के मकान में चोर पीछे के रास्ते से घुसकर चार लैपटॉप

एनक्लेव कॉलोनी मोड़ पर गोपाल वर्मा की आभूषण की दुकान में भी चोरों ने शटर को बल्ली से चाड़कर चोरी की। जिसमें से 30 हजार कीमत के सोने व चांदी के आभूषण और 20 हजार नकद चुरा ले गए। दुकानदार गोपाल वर्मा ने चोरी की घटना की लिखित तहरीर स्थानीय थाने में दी।

इससे पहले भी हुई चोरी

चुरा ले गए। 4 जनवरी को भी सिंहपुर गांव में ही संगीता देवी के यहां चोरों ने खूब शिद्दत से ताला तोड़ अंदर घुसकर चोरी की। संगीता देवी ने बताया कि बक्से का ताला तोड़कर सोने की एक अंगूठी, एक चांदी का छल्ला, पांच जोड़ी पायल लगभग एक लाख कीमत के आभूषण की चोरी की शिकायत स्थानीय थाने में दी।

कोविड–19 के दृष्टिगत रैली करने सम्बन्धी मैदानों हेतु चर्चा आदि के सम्बन्ध में समस्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं रिटर्निंग अधिकारियों के साथ बैठक सम्पन्न हुयी

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर। (सू0वि0) जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार को अर्हता तिथि 01.01.2022 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के सम्बन्ध में प्राप्त शिकायतें, क्रिटिकल मतदेय स्थलों के सम्बन्धा में तथा कोविड–19 के दृष्टिगत रैली करने सम्बन्धी मैदानों हेतु चर्चा आदि के सम्बन्ध में समस्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं रिटर्निंग अधिकारियों के साथ बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि सभी प्रकार की रैलियों में कोविड प्रोटोकाल का अनुपालन सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने कहा कि चयनित आयोजन स्थलों की क्षमता से आधे व्यक्तियों की ही अनुमति (50 प्रतिशत) प्रदान की जायेगी। नए रैली मैदान के लिये जिलाधिकारी ने सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से सुझाव भी लिये। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि पूरी निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान कोविड प्रोटोकाल का शतप्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाये। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि स्वस्थ्य मतदाता सूची बनाने में सभी अपना सहयोग दें तथा जिससे सभी को मतदाधिकार का प्रयोग करने का अवसर मिल सके। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी राम भरत तिवारी, अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी एन0पी0 सिंह, नगर मजिस्ट्रेट पूजा मिश्रा, सभी उपजिलाधिकारी, मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कोविड टीकाकरण के संबंध में जिलाधिकारी ने दिये निर्देश

कोविड टीकाकरण की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि शतप्रतिशत टीकाकरण पूर्ण कराये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने बेसहारा पशुओं हेतु सभी ग्राम पंचायतों में स्थान चिन्हित कर शासनादेश में दिये गये निर्देशों के क्रम में व्यवस्था सुनिश्चित करायें। उन्होंने कहा कि आहार, चारा, भूसा की जिम्मेदारी संबंधित प्रधानों की होगी। उन्होंने शीतलहर के दृष्टिगत आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिये।

ग्रामीण किसानो ने सिधौली महमूदाबाद रोड जाम कर जाफरी पुरवा चौराहे पर किया प्रदर्शन संवाददाता सत्यपाल

अवध की आवाज

सिधौली–सीतापुर । विकास खंड सिधौली अंतर्गत ग्राम पंचायत खजुरिया के ग्रामीण किसानों ने आवारा पशुओं के आतंक से परेशान होकर सैकड़ों ग्रामीण किसानों ने सिधौली महमूदाबाद संपर्क मार्ग स्थित जाफरी पुरवा चौराहे पर रोड जाम कर प्रदर्शन किया। ग्रामीण किसान लगभग 2 घंटे सिधौली महमूदाबाद रोड पर राहगीरों का आवा गमन बाधित रहा। मौके पर सूचना पाकर पहुंची कोतवाली सिधौली पुलिस ने समझा बुझाकर जाम को छुडवाया। दोपहर तक कोई अस्थायी समस्या हो पर ग्रामीणो ने पशुओ से निजात पाने लिए ग्रामीणों उप जिलाधिकारी सिधौली व खंड विकास अधिकारी कार्यालय पहुंच कर विडिओ प्रभारी योगेश कुमार शर्मा को ज्ञापन दिया। इस मौके पर ग्राम पंचायत खजुरिया के ग्रामीण व किसान, ओम प्रकाश, शिव गोपाल, अशर्फी लाल, रामकुमार, अनिल कुमार, सहज राम, नेकराम, सुनील कुमार, हेमराज, गंगाराम, रमेश, जगदीश, राकेश कुमार, विनोद कुमार श्रीराम, ठकुरी, सुरेंद्र कुमार,रामचंद्र, सुशील कुमार आदि ग्राम वासी उपस्थित रहे ।

पर्यटन एवं संस्कृति विभाग की 642 करोड़ की 488 विकास परियोजनाओं का मा0 मुख्यमंत्री उ0प्र0योगी आदित्यनाथ ने वर्चुअल लोकार्पण/ शिलान्यास

सीतापुर (सू0वि0)। पर्यटन एवं संस्कृति विभाग की 642 करोड़ की 488 विकास परियोजनाओं का मा0 मुख्यमंत्री उ0प्र0योगी आदित्यनाथ ने वर्चुअल लोकार्पण/ शिलान्यास किया। जनपद सीतापुर की

09 योजनाओं का स्थलीय लोकार्पणधशिलान्यास जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज, मा0 विधायक हरगांव सुरेश राही, मा0 विधायक बिसवां महेन्द्र सिंह यादव, मुख्य विकास अधिकारी अक्षत वर्मा ने किया। सीतापुर में भुइयाताली मंदिर खैराबाद, सूर्यकुण्ड पौराणिक तीर्थ स्थल, महाराजनगर में दशहरा मेला एवं तालाब, ग्रामसभा अकबरपुर में सूर्यकुण्ड तीर्थ स्थल, बीहट बीरम में मंदिर व तीर्थ स्थल, ब्रम्हावली ठाकुर द्वारा मंदिर, बनेहरा बीरबरल दरगाह में कराये गये विभिन्न पर्यटन विकास एवं सौन्दर्यीकरण की विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण किया गया। इन कार्यों को मा0 मुख्यमंत्री पर्यटन संवर्धन योजना के अन्तर्गत कराया गया है। इसके अतिरिक्त मिश्रिख नगर पालिका स्थित सीता कुण्ड मंदिर जीर्णोद्वार एवं मार्ग विकास कार्य तथा नैमिषारण्य साइनेज की स्थापना कार्यों का शिलान्यास भी किया गया।

पेट्रोल-डीजल के भाव स्थिर

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में तेजी के बावजूद घरेलू बाजार में पेट्रोल–डीजल के भाव स्थिर रहे। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने पिछले दो महीने से ज्यादा समय से दोनों ईंधनों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। हालांकि, अभी क्रूड ऑयल 80 डॉलर प्रति बैरल के पार चल रहा है। दिल्ली में शुक्रवार को पेट्रोल 95.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल का भाव 86.67 रुपये प्रति लीटर पर टिका रहा। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक देश के अन्य महानगरों मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में पेट्रोल क्रमशः 109.98 रुपये, 104.67 रुपये तथा 101.40 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। इन महानगरों में डीजल भी क्रमशः 94.14 रुपये, 89.79 रुपये और 91.43 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। दिल्ली के नजदीक नोएडा में पेट्रोल 95.51 रुपये और डीजल 87.01 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है, जबकि कई शहरों में पेट्रोल के दाम अभी 100 रुपये प्रति लीटर से ज्यादा हैं। बता दें कि मध्यप्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, ओडिशा, जम्मू–कश्मीर और लद्दाख में पेट्रोल का भाव 100 रुपये प्रति लीटर के पार है। हालांकि, देश में सबसे सस्ता पेट्रोल पोर्ट ब्लेयर में 82.96 रुपये प्रति लीटर और डीजल 77.13 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। राजस्थान के श्रीगंगानगर में पेट्रोल 112 रुपये प्रति लीटर, जबकि डीजल 95.26 रुपये प्रति लीटर है। उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस के नए वेरिएंट ओमिक्रोन के बढ़ते मामलों के बावजूद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में तेजी देखने को मिल रही है। अमेरिकी बाजार में आज कारोबार के दौरान डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमत 0.66 फीसदी की तेजी के साथ 80.12 डॉलर प्रति बैरल पर और ब्रेंट क्रूड का भाव भी 0.51 फीसदी की बढ़त के साथ 82.58 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

हिंदू जागरण मंच महानगर बरेली ने महिलाओं के अपमान पर फूंका पुतला

अवध की आवाज

बरेली। हिंदू जागरण मंच महा नगर बरेली द्वारा बड़ौत में हेयर स्टाइलिस्ट जावेद हबीब द्वारा हिंदू महिला के सिंदूर भरने बाले स्थान सर पर पानी की जगह गंदे थूक का इस्तेमाल करने जैसे जगन ने अपराध पर शहीद चौक डी डी पुरम पर अर्थी निकाल कर पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया। महा नगर अध्यक्ष दुर्गेश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में संगठन के तमाम कार्यकर्ता शहीद चौक पर एकत्र हुए वहां से शव यात्रा के रूप में निकाल कर जावेद हबीब का पुतला फूंका। संगठन के प्रांतीय प्रचार प्रमुख नितेश कपूर जी ने कहां की समस्त हिंदू समाज ऐसे जघन्य अपराधों को कभी बर्दाश्त नहीं करेगा। जब जब महिलाओं का अपमान हुआ

है तब तब महाभारत और रामायण जैसे युद्ध हुए हैं। प्रांतीय विधि प्रमुख प्रतिपाल जी ने भारत सरकार से मांग की है कि ऐसे जगन अपराधी के खिलाफ संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उचित कार्रवाई की जाए। के विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष अरुण फौजी महानगर महामंत्री अमित छत्रिय विशाल प्रकाश ओंकार सिंह गोपाल शर्मा नरोत्तम दास प्रवीण पचौरी ललित पाल पाल संदीप सिन्हा परविंदर मौर्य गुलशन कुमार अमित भारद्वाज आशु अग्रवाल मनीष माथुर तुषार सक्सेना नरेश शर्मा संजीव अरोरा आदि उपस्थित रहे।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954
मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।